RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
24
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत में उच्च शिक्षा पर प्रभाव / Foreign Universities Impact Higher Education in India

संदर्भ:

भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। **यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा और इटली** जैसे देशों के प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय अब भारत में अपने कैंपस खोलने की तैयारी में हैं, खासतौर पर गुजरात के GIFT सिटी और नवी मुंबई जैसे क्षेत्रों में।

यह बदलाव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा जारी "विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के भारत में परिसरों की स्थापना और संचालन संबंधी विनियम, 2023" के लागू होने के बाद संभव हो पाया है। यह कदम भारतीय शिक्षा व्यवस्था के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक प्रगति माना जा रहा है।

विदेशी विश्वविद्यालय भारत में क्यों आना चाहते हैं?

1. **जनसांख्यिकीय गिरावट और अव्यवहृत विश्वविद्यालय ढांचा:** द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कई विकसित देशों (Global North) ने उच्च शिक्षा का तेजी से विस्तार किया। लेकिन अब इन देशों में जन्म दर घटने के कारण छात्रों की संख्या कम हो रही है, जिससे उनके विश्वविद्यालयों की सुविधाएं पूरी तरह उपयोग नहीं हो पा रही हैं।
2. **अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर बढ़ती निर्भरता:** शिक्षा में सरकारी खर्च में कटौती के कारण, इन देशों के विश्वविद्यालय अब अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर अधिक निर्भर हो गए हैं, क्योंकि वे घरेलू छात्रों की तुलना में अधिक शुल्क देते हैं।
   उदाहरण के लिए:
   - यू.के. में 22% छात्र अंतरराष्ट्रीय हैं
   - ऑस्ट्रेलिया में 24%
   - कनाडा में 30%
   - अमेरिका के आइवी लीग संस्थानों में 27%
3. **विदेशों में नीति में बदलाव:** ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यू.के. जैसे देशों ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या पर सीमाएं लगानी शुरू की हैं, जिससे विश्वविद्यालयों को वित्तीय नुकसान हो रहा है।
4. **भारत एक नया अवसर:** भारत की बड़ी युवा आबादी, बढ़ती मध्यवर्गीय क्षमता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बढ़ती मांग को देखते हुए विदेशी विश्वविद्यालय भारत को एक बड़े अवसर के रूप में देख रहे हैं।
   भारत में कैंपस खोलने से उन्हें:
   - नए छात्रों तक पहुंच
   - राजस्व के नए स्रोत
   - अपने ब्रांड का वैश्विक विस्तार – जैसे लाभ मिल सकते हैं।

भारत में विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों के लाभ:

- **बेहतर शैक्षणिक गुणवत्ता:** वैश्विक शिक्षण पद्धति, प्रशिक्षित फैकल्टी और शोध पर जोर मिलेगा।
- **कम लागत में अंतरराष्ट्रीय डिग्री:** विदेश जाए बिना भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध होगी।
- **विदेशी मुद्रा की बचत:** हर साल शिक्षा पर विदेश भेजे जाने वाले लगभग $60 अरब की बचत होगी।
- **ब्रेन ड्रेन में कमी:** देश में ही उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा से प्रतिभा पलायन रुकेगा।
- **उद्योग-अकादमिक सहयोग:** STEM, AI, फिनटेक आदि क्षेत्रों में अनुसंधान और साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।
- **नवाचार और स्टार्टअप अवसर:** GIFT सिटी व नवी मुंबई जैसे क्षेत्रों में इंटर्नशिप और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

भारत में विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों की चुनौतियाँ:

- **सीमित प्रारंभिक प्रभाव:** प्रारंभिक वर्षों में नामांकन की संख्या कम रहेगी, जिससे असर सीमित होगा।
- **लागत और पहुंच की चिंता:** यदि विदेशी फीस संरचना लागू हुई, तो यह आम भारतीय छात्रों के लिए महंगी साबित हो सकती है।
- **संचालन संबंधी बाधाएँ:** भूमि अधिग्रहण, फैकल्टी भर्ती, और मान्यता जैसे मुद्दे अभी भी चुनौती बने हुए हैं।
- **पूर्व विफलताओं का उदाहरण:** मलेशिया, यूएई और चीन में कुछ विदेशी कैंपस कम नामांकन या सांस्कृतिक असमानता के कारण विफल रहे हैं।

धीमी अर्थव्यवस्था में विस्तारवादी नीतियां / Expansionary Policies in a Slowing Economy

संदर्भ:

भारत इस समय धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए एक साथ विस्तारवादी **राजकोषीय (Fiscal) और मौद्रिक (Monetary) नीतियों** को लागू कर रहा है। इन नीतियों का उद्देश्य निवेश और खपत को प्रोत्साहित कर आर्थिक गति को तेज करना है।

हाल में अपनाई गई प्रमुख नीतियाँ:

- **केन्द्रीय बजट 2025–26:** ₹11.21 लाख करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किए गए, जिनमें बुनियादी ढांचा, कृषि, MSMEs और डिजिटल कनेक्टिविटी पर ज़ोर दिया गया।
- **आयकर में कटौती:** आर्थिक मंदी के दौरान खपत को बढ़ावा देने के लिए आयकर दरों में कटौती की गई।
- **RBI द्वारा रेपो रेट में कटौती:** धीमी आर्थिक वृद्धि के बीच ऋण और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए रेपो रेट घटाकर 5.5% किया गया।
- **RBI का दोहरा लक्ष्य — मूल्य स्थिरता और आर्थिक वृद्धि:**
  - ब्याज दरों में कटौती के माध्यम से उधारी को प्रोत्साहन।
  - मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण नीति, जिसके तहत खुदरा मुद्रास्फीति 2024-25 में घटकर 4.6% पर आ गई।
  - वित्तीय संस्थानों और NBFCs के लिए तरलता सहायता प्रदान की गई।

नीतिगत समन्वय की आवश्यकता:

मांग-पक्षीय नीतियों की परस्पर क्रिया: मौद्रिक नीति और राजकोषीय नीति दोनों कुल मांग (Aggregate Demand) को प्रभावित करती हैं।

- ब्याज दरों में कटौती से निवेश बढ़ता है।
- कर कटौती से उपभोग बढ़ता है। यदि इन दोनों नीतियों में समन्वय न हो, तो इससे महँगाई बढ़ने या राजकोषीय घाटा होने का खतरा पैदा हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण:

- **अमेरिका और ब्रिटेन:** कर कटौतियों को महँगाई के डर से सख्त मौद्रिक नीति के ज़रिये संतुलित किया गया।
- **2008 का संकट:** जब ब्याज दरों में कटौती से माँग नहीं बढ़ी, तब सरकार के खर्च से माँग को बहाल किया गया।

भारत की वर्तमान स्थिति:

- भारत में इस समय मौद्रिक और राजकोषीय दोनों नीतियाँ विस्तारवादी हैं।
- लेकिन घरेलू उपभोक्ताओं की धीमी प्रतिक्रिया यह संकेत देती है कि आयकर कटौतियों का तात्कालिक माँग पर पूरा असर नहीं पड़ा है।
- इससे यह स्पष्ट होता है कि नीति-निर्धारण में बेहतर समन्वय की आवश्यकता है।

भारत में विस्तारवादी नीतियों के लाभ:

कुल मांग में वृद्धि:

- कर कटौती और सरकारी व्यय में वृद्धि जैसी विस्तारवादी राजकोषीय नीतियाँ लोगों की आय बढ़ाती हैं, जिससे उपभोग और मांग में इज़ाफा होता है।
- ब्याज दरों में कमी से ऋण लेना आसान होता है, जिससे निवेश और मांग दोनों को बढ़ावा मिलता है।

रोज़गार को समर्थन:

- सरकार द्वारा वित्तपोषित इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएँ और MSME समर्थन योजनाएँ ग्रामीण और असंगठित क्षेत्रों में रोज़गार सृजन में मदद करती हैं।
- आर्थिक मंदी के समय ये योजनाएँ बेरोज़गारी को कम करने में सहायक होती हैं।

निजी निवेश को प्रोत्साहन:

- सस्ती उधारी और बेहतर उपभोक्ता भावना से निजी कंपनियाँ उत्पादन क्षमता, नवाचार और भर्ती में निवेश करने के लिए प्रेरित होती हैं।

वित्तीय बाज़ारों में स्थिरता:

- RBI द्वारा तरलता प्रदान करना और NBFCs व बैंकों के लिए क्रेडिट गारंटी जैसी पहलें वित्तीय संकट को रोकने और बाज़ार में विश्वास बनाए रखने में सहायक होती हैं।

तत्काल आर्थिक राहत:

- COVID-19 जैसी आपात स्थितियों में प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण और खाद्य सुरक्षा उपायों ने गरीब और असुरक्षित वर्गों को त्वरित राहत प्रदान की।

आगे की राह (Way Forward):

- नीतिगत समन्वय को मजबूत करें:
- लक्षित हस्तांतरणों को प्राथमिकता दें:
- कर संरचना में व्यापक सुधार:
- मुद्रास्फीति पर सक्रिय निगरानी:

कीट-आधारित पशुधन चारा / insect-Based Livestock Feed

संदर्भ:

कीट-आधारित पशु आहार (Insect-based feed) पारंपरिक चारे का एक टिकाऊ और किफायती विकल्प बनकर उभर रहा है। यह न केवल पशुपालन की लागत को कम कर सकता है, बल्कि एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (Antimicrobial Resistance) जैसी गंभीर समस्या से निपटने में भी मददगार साबित हो सकता है।

एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (AMR) क्या है?

- **परिभाषा:** जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और परजीवी समय के साथ दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं और दवाएं उन पर असर नहीं करतीं, तो इसे एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (AMR) कहते हैं। इससे संक्रमण का इलाज करना कठिन हो जाता है, जिससे बीमारी के फैलने, गंभीर रूप लेने और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
- **गंभीरता:**
  - हर साल लगभग **7 लाख लोग** AMR के कारण मरते हैं।
  - यदि उपाय न किए गए, तो यह संख्या **2050 तक 1 करोड़** तक पहुँच सकती है।
  - यह वैश्विक GDP का **3.8% तक नुकसान** पहुँचा सकता है।

कीट-आधारित पशु आहार (Insect-Based Livestock Feed):

- **क्या है यह?**
  - यह ऐसा पशु आहार है जो पोषक तत्वों से भरपूर कीटों जैसे ब्लैक सोल्जर फ्लाई, क्रिकेट, मीलवर्म और ग्रासहॉपर से तैयार किया जाता है।
  - यह पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए **सस्टेनेबल प्रोटीन स्रोत** के रूप में उभर रहा है।
- **किसने विकसित किया?**
  - **ICAR (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)** और निजी संस्थान जैसे **Ultra Nutri India, Loopworm, Bhairav Renderers** ने मिलकर इसे विकसित किया है।
  - सहयोगी संस्थान: **CIBA (केंद्रीय जलीय जीव पालन संस्थान)** और **CMFRI (केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान)**।

पारंपरिक पशु आहार और एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (AMR) में संबंध:

जानवरों में एंटीबायोटिक का अत्यधिक प्रयोग:

- वैश्विक स्तर पर 50% से अधिक एंटीबायोटिक्स का उपयोग पशुपालन में होता है – सिर्फ रोगों के इलाज के लिए नहीं, बल्कि विकास बढ़ाने के लिए भी।
- इससे पशुओं की आंतों में मौजूद बैक्टीरिया लगातार एंटीबायोटिक के संपर्क में रहते हैं।

एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस जीन (ARGs) का विकास:

- इस निरंतर संपर्क से बैक्टीरिया में प्रतिरोधक जीन विकसित हो जाते हैं, जो
  - खाद्य श्रृंखला,
  - जल व मिट्टी, और
  - सीधे संपर्क के माध्यम से मनुष्यों तक पहुँच सकते हैं।
- इससे मानव स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न होता है।

कीट-आधारित आहार का महत्व:

- **AMR पर रोक:**
  - कीटों में प्राकृतिक **एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड्स (AMPs)** होते हैं, जैसे डिफेंसिन्स और सेक्रोपिन्स, जो पशुओं की **प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत** करते हैं और रोगों की संभावना कम करते हैं।
  - इससे **एंटीबायोटिक की आवश्यकता घटती है**, और AMR पर नियंत्रण में मदद मिलती है।
- **पोषण संबंधी श्रेष्ठता:** कीटों में होता है:
  - **उच्च गुणवत्ता वाला पचने योग्य प्रोटीन**,
  - **आवश्यक अमीनो एसिड**,
  - **वसा**, और
  - **सूक्ष्म पोषक तत्व** (जैसे जिंक, आयरन, कैल्शियम)।
  - कई मछलियों और मुर्गियों की पारंपरिक खुराक में कीट पहले से ही शामिल होते हैं।
- **आर्थिक लाभप्रदता:**
  - शोध बताते हैं कि कीट-आधारित आहार का **लाभ-लागत अनुपात** पारंपरिक फिशमील या सोया मील से बेहतर होता है।
  - **स्थानीय उत्पादन** से महंगे प्रोटीन-युक्त आयातित आहारों पर निर्भरता भी घटती है।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य / Strait of Hormuz

संदर्भ:

ईरान की संसद ने होरमुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को बंद करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है। हालांकि इस पर अंतिम निर्णय ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (Supreme National Security Council) द्वारा लिया जाएगा।

पृष्ठभूमि (Background):

- यह घटनाक्रम अमेरिका द्वारा ईरान के तीन सैन्य ठिकानों पर हवाई हमलों के बाद सामने आया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है और ईरान की संभावित प्रतिक्रिया को लेकर आशंका जताई जा रही है।
- जहाँ पहले विशेषज्ञों ने ऐसी चरम प्रतिक्रिया की संभावना को खारिज किया था, वहीं हालिया घटनाओं से संकेत मिलते हैं कि तेहरान अब होरमुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने पर विचार कर सकता है।

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz):

- **भौगोलिक स्थिति:** यह एक संकरी समुद्री जलधारा है जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ती है, और आगे अरब सागर में खुलती है।
- **वैश्विक तेल व्यापार में भूमिका:**
  - यह जलडमरूमध्य ईरान, सऊदी अरब और UAE जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों के लिए तेल निर्यात का मुख्य मार्ग है।
  - विश्व के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिवहन चोकपॉइंट्स में से एक माना जाता है।
- **प्रादेशिक अधिकार:** यह जलडमरूमध्य **ईरान और ओमान** के क्षेत्रीय जलक्षेत्र के अंतर्गत आता है।
- **चौड़ाई और मार्ग:**
  - सबसे संकीर्ण स्थान पर इसकी चौड़ाई केवल **33 किलोमीटर** है,
  - जिसमें से **प्रत्येक दिशा में मात्र 3 किलोमीटर चौड़ी नौवहन लेन** उपलब्ध है।
- **सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलता:** इसकी संकरी बनावट और रणनीतिक महत्व इसे **नौसैनिक अवरोधों या सैन्य टकराव** के प्रति अत्यंत संवेदनशील बनाते हैं, जिससे **वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर खतरे** उत्पन्न हो सकते हैं।

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का महत्व:

वैश्विक तेल व्यापार की जीवनरेखा:

- **US Energy Information Administration (EIA)** के अनुसार, **2024 में वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का 25%** और **कुल वैश्विक तेल खपत का 20%** हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर गुज़रा।
- इसके अलावा, **20% तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG)** का व्यापार भी, विशेष रूप से **कतर से**, इसी मार्ग से हुआ।

कोई व्यवहार्य वैकल्पिक समुद्री मार्ग नहीं:

- जलडमरूमध्य के बाधित होने पर **तेल परिवहन को भूमि आधारित पाइपलाइनों** के ज़रिए मोड़ना पड़ेगा,:
  - **सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन**: प्रतिदिन 5 मिलियन बैरल क्षमता, जो तेल को **रेड सी** तक पहुंचाती है।
  - **UAE की फुजैरा पाइपलाइन**: प्रतिदिन 1.8 मिलियन बैरल क्षमता, जो **गुल्फ ऑफ ओमान** के ज़रिए जलडमरूमध्य को बायपास करती है।

सीमित क्षमता के कारण अपर्याप्त विकल्प:

- इन विकल्पों की कुल क्षमता 20 मिलियन बैरल प्रतिदिन की सामान्य हॉर्मुज़ यातायात के मुकाबले बहुत कम है, यह स्पष्ट होता है हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का कोई समान स्तर का विकल्प नहीं है।
- अतः किसी भी प्रकार का व्यवधान **वैश्विक ऊर्जा बाज़ार में भारी अस्थिरता** ला सकता है।

निष्कर्ष:

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ है, जिसकी सुरक्षा वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस क्षेत्र में कोई भी सैन्य या राजनीतिक तनाव पूरी दुनिया के तेल और गैस बाज़ार को प्रभावित कर सकता है।

UMEED पोर्टल / UMEED Portal

संदर्भ:
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय हाल ही में UMEED पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क कर रहा है। मंत्रालय का उद्देश्य है कि सभी वक्फ संपत्तियों (Waqf Properties) का विवरण आगामी छह महीनों के भीतर पोर्टल पर अपलोड किया जाए।

UMEED पोर्टल के बारे में

परिचय: **UMEED** पोर्टल को भारत सरकार के **अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय** द्वारा विकसित किया गया है, ताकि देशभर में वक़्फ़ संपत्तियों (Waqf properties) का प्रभावी और पारदर्शी प्रबंधन किया जा सके।

पूरा नाम: **UMEED** का अर्थ है – **Unified Waqf Management, Empowerment, Efficiency and Development** (एकीकृत वक़्फ़ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास)। यह पोर्टल **Waqf अधिनियम, 1995** के तहत काम करता है।

UMEED पोर्टल की मुख्य विशेषताएँ:

1. **डिजिटल सूची निर्माण और जियो-टैगिंग:** सभी वक़्फ़ संपत्तियों की डिजिटल इन्वेंट्री बनाई जाएगी जिसमें उनकी भौगोलिक स्थिति भी अंकित होगी।
2. **ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली:** लोगों की शिकायतों का ऑनलाइन समाधान करने के लिए यह एक तेज़ और पारदर्शी व्यवस्था प्रदान करता है।
3. **लीज़ और उपयोग पर निगरानी:** वक़्फ़ संपत्तियों के पट्टे (lease) और उनके उपयोग की निगरानी पारदर्शी ढंग से की जाएगी।
4. **GIS मैपिंग और ई-गवर्नेंस से एकीकरण:** संपत्तियों को भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) से जोड़ा जाएगा, जिससे सरकार की अन्य ई-गवर्नेंस सेवाओं से समन्वय किया जा सके।
5. **सार्वजनिक पहुंच:** सत्यापित रिकॉर्ड और रिपोर्ट जनता के लिए उपलब्ध होंगे, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

आईएनएस तमाल / INS Tamal

संदर्भ:
भारतीय नौसेना अपनी नवीनतम स्टील्थ मल्टी-रोल फ्रिगेट **आईएनएस तमाल (INS Tamal)** को रूस के **कालिनिनग्राद** में कमीशन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह युद्धपोत नौसेना की ताकत और समुद्री रणनीतिक क्षमता को और अधिक मजबूत करने वाला साबित होगा।

INS Tamal: भारत की नौसैनिक शक्ति में नया अध्याय

- **निर्माण और वर्ग:**
  - INS Tamal, भारतीय नौसेना का अंतिम युद्धपोत होगा जिसे भारत के बाहर (रूस) बनाया गया है।
  - यह Tushil क्लास का दूसरा युद्धपोत है, जो पहले की Talwar और Teg क्लास का उन्नत संस्करण है।
  - यह पिछले दो दशकों में रूस से प्राप्त Krivak क्लास फ्रिगेट्स की श्रृंखला का आठवां पोत है।
- **संचालन क्षमता:**
  - इस श्रृंखला के पूर्ण होने के बाद, भारतीय नौसेना के पास **चार अलग-अलग वर्गों में कुल 10 युद्धपोत** होंगे, जिनकी क्षमताएँ लगभग समान होंगी।
- **स्वदेशीकरण और हथियार प्रणाली:**
  - INS Tamal में **26% स्वदेशी घटक** शामिल हैं।
  - इसमें **BrahMos लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल** लगी है, जो समुद्र और ज़मीन दोनों पर लक्ष्यों को भेद सकती है।
  - इसकी हथियार प्रणाली में पहले के संस्करणों की तुलना में **महत्वपूर्ण उन्नयन** किया गया है।
- **डिज़ाइन और विशेषताएँ:** नए डिज़ाइन से पोत को बेहतर स्टील्थ (गुप्त संचालन क्षमता) और अधिक स्थिरता मिलती है, जो युद्ध क्षमता को और मजबूत बनाती है।

निष्कर्ष: INS Tamal भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य के नौसैनिक अभियानों में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

सरिस्का टाइगर रिज़र्व / Sariska Tiger Reserve

संदर्भ:
सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत पिछले वर्ष बंद की गई 50 से अधिक मार्बल और डोलोमाइट खदानों को पुन: संचालित किए जाने की संभावनाएं एक नई योजना के माध्यम से उत्पन्न हुई हैं। यह योजना **सरिस्का टाइगर रिज़र्व** की **क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (CTH)** की सीमाओं के पुन: निर्धारण (rationalisation) से संबंधित है।

सरिस्का टाइगर रिज़र्व के बारे में:

स्थान:
- यह अभयारण्य **राजस्थान** राज्य में स्थित है।
- यह **अरावली पर्वत श्रृंखला** पर फैला हुआ है, जो विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला मानी जाती है।

इतिहास:
- पहले यह क्षेत्र अलवर के महाराजा का शिकार स्थल था।
- वर्ष 1955 में इसे प्राकृतिक अभयारण्य और 1979 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।

पर्यटन स्थल:
- यह क्षेत्र अपने **प्राचीन मंदिरों, महलों और झीलों** के लिए भी प्रसिद्ध है, जैसे:
  - पांडुपोल, भानगढ़ किला, अजबगढ़, प्रतापगढ़, सिलीसेढ़ झील, और जय समंद झील।

भौगोलिक स्वरूप: यहां की भौगोलिक बनावट में **पथरीली भूमि, सूखी कांटेदार झाड़ियाँ, घास के मैदान, पहाड़ी चट्टानें**, और **अर्ध-पर्णपाती वन** शामिल हैं।

वनस्पति:
- यहाँ की वनस्पति मुख्यत: **उत्तरी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन** और **उत्तरी उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन** के अंतर्गत आती है।
- प्रमुख पेड़: **ढोक (Dhok)** – यह क्षेत्र में सबसे अधिक पाया जाने वाला वृक्ष है।
- अन्य वृक्ष: **सालर, कदाया, गोल, बेर, पीपल, गुग्गल, बांस, कैर, अड़ुसा** आदि।

सरिस्का टाइगर रिज़र्व की वन्यजीव विविधता:
- **बाघ (Tiger)** – यह अभयारण्य **Project Tiger** के अंतर्गत आता है और बाघ संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है।
- **अन्य प्रमुख जानवर:** तेंदुआ (Leopard) सांभर, चीतल, नीलगाय, चौसिंगा, जंगली सूअर (Wild Boar) आदि।

चियोस द्वीप / Chios Island

संदर्भ:
हाल ही में **पूर्वी एजियन सागर** के द्वीप **चियोस (Chios)** में मुख्य नगर के निकट एक भीषण जंगल में आग भड़क उठी, जिसे नियंत्रित करने के लिए बड़े पैमाने पर राहत अभियान चलाया गया। इस आग पर काबू पाने के प्रयासों में **100 से अधिक अग्निशामक**, साथ ही **पानी छोड़ने वाले हेलीकॉप्टरों और विमानों** की सहायता ली गई।

Chios Island के बारे में:

स्थान:
- **Chios** ग्रीस का एक द्वीप है, जो **एजियन सागर** में स्थित है।
- यह ग्रीस का **पाँचवाँ सबसे बड़ा द्वीप** है, जिसका क्षेत्रफल लगभग **842.29 वर्ग किलोमीटर** है।
- यह **तुर्की के पश्चिमी तट से मात्र 5 मील (8 किमी)** की दूरी पर स्थित है।

भौगोलिक संरचना:
- द्वीप की लंबाई लगभग **30 मील (50 किमी)** और चौड़ाई **8 से 15 मील (13 से 24 किमी)** के बीच है।
- उत्तर से दक्षिण दिशा में पर्वतमालाएँ फैली हुई हैं, जिनमें सबसे ऊँचा पर्वत **Mount Pelinaíon (1,297 मीटर)** है।
- **प्रमुख नगर:** द्वीप का मुख्य नगर और नगरपालिका का मुख्यालय है **Chios Town**।
- **प्रसिद्धि:** यह द्वीप अपनी **मास्टिक गोंद (Mastic Gum)** के निर्यात के लिए प्रसिद्ध है, जिसके कारण इसे "**The Mastic Island**" भी कहा जाता है।
- **पर्यटन आकर्षण:** हरा-भरा प्राकृतिक वातावरण, सुंदर समुद्र तट और **मध्यकालीन गाँव** जो आज भी बहुत अच्छी स्थिति में संरक्षित हैं, इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं।

ऐतिहासिक महत्व:
- यह द्वीप **होमर (Homer)** का जन्मस्थान माना जाता है।
- यहाँ कई प्रसिद्ध **ग्रीक लेखक और राजनेता** जन्मे हैं।

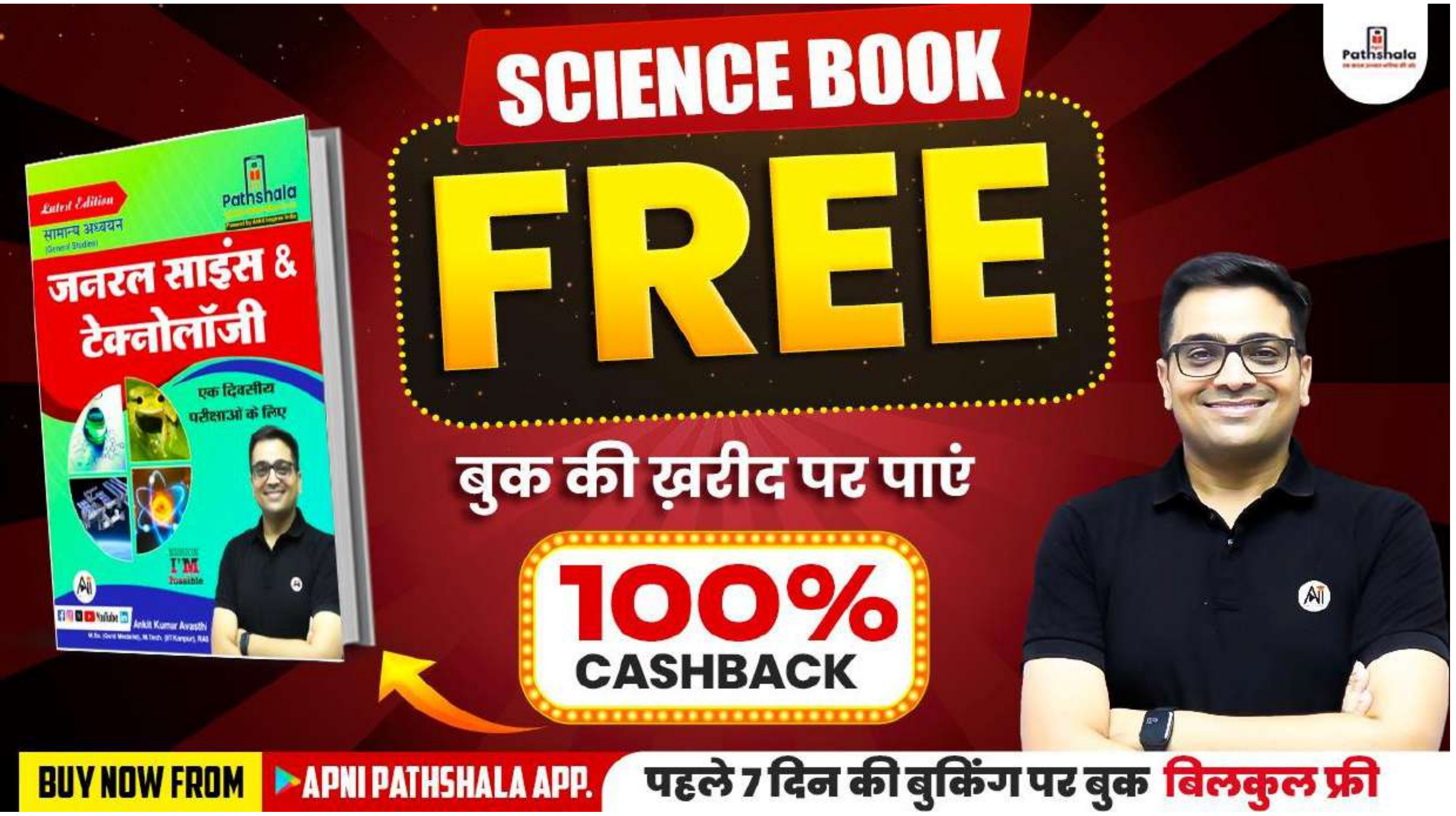

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
Pathshala
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय परीक्षाओं के लिए
I'M Possible
Ankit Kumar Avasthi
Pathshala
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION
For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

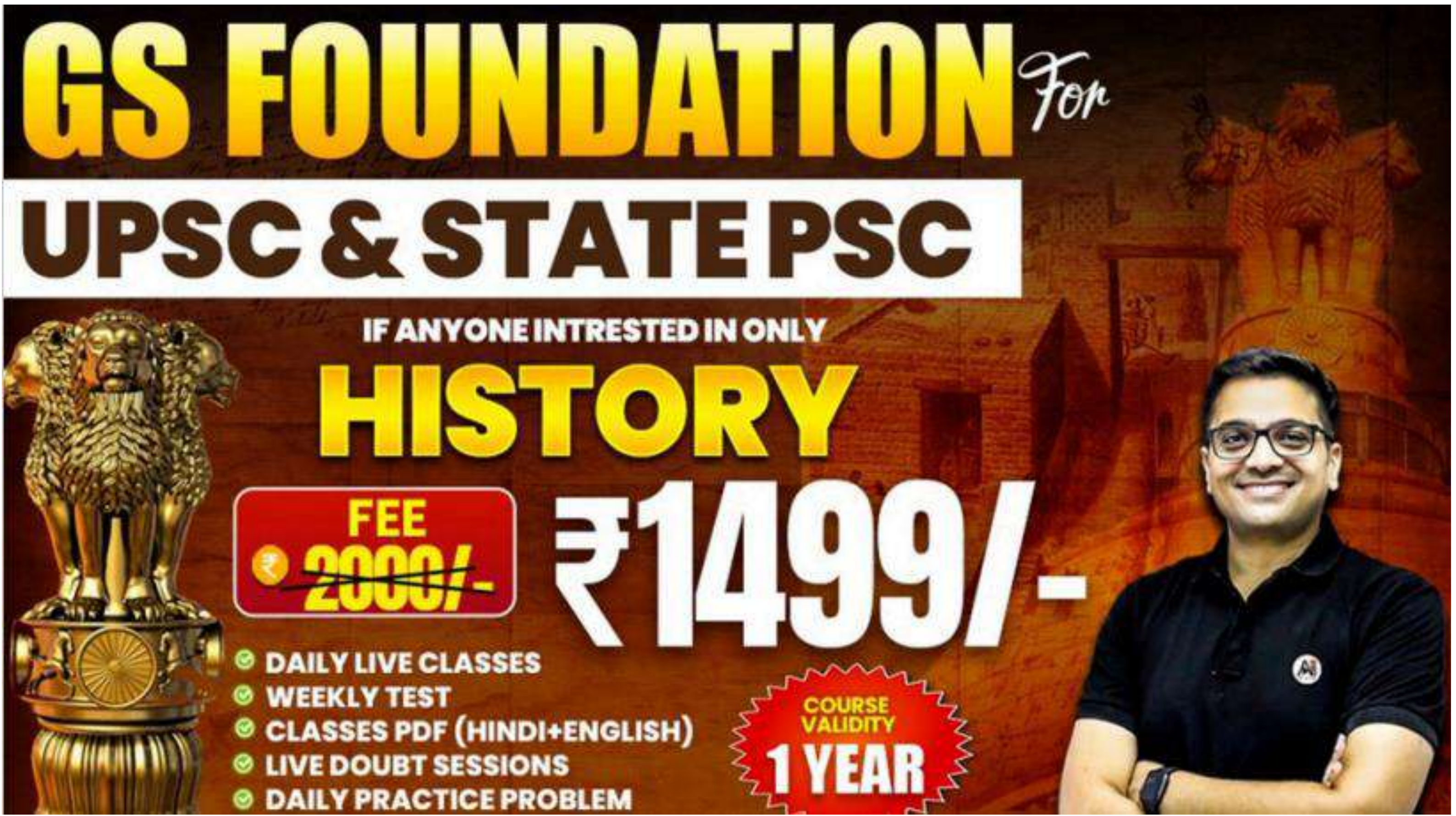

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

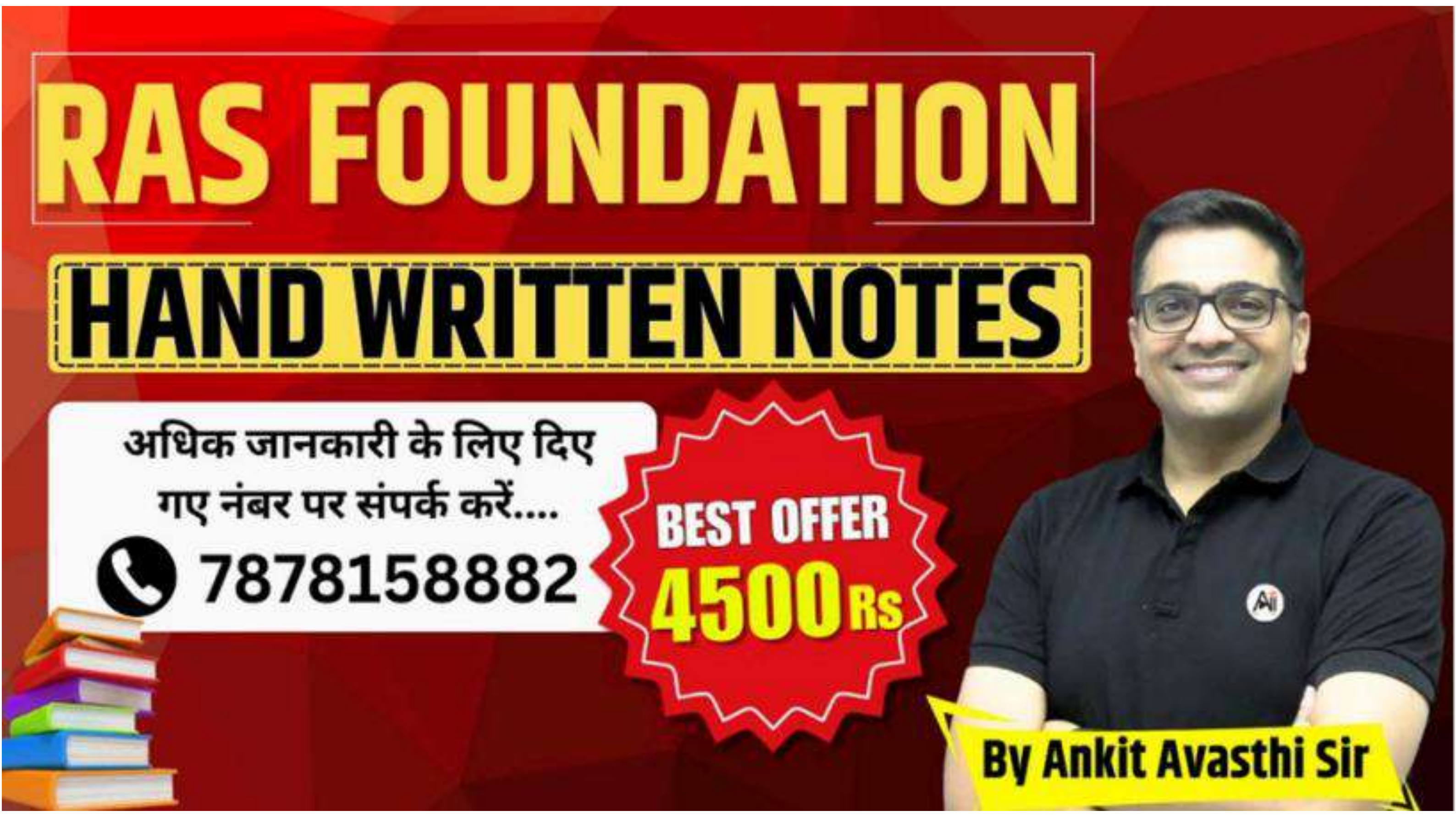
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
BBK
Baaten Bazaar ki
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

CALL
CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: